DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 नवम्बर, 2022

एडी-1

❖ सन्दर्भ

➢ रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने चरण- II बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) इंटरसेप्टर AD-1 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु

- इंटरसेप्टर मिसाइल लंबी दूरी की मिसाइलों और विमानों को निष्क्रिय करने में सक्षम है।
- इन्हे निम्न बाह्य-वायुमंडलीय और अंतर्-वायुमंडलीय अवरोधन के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- मिसाइल दो चरणों वाली ठोस मोटर से चलती है।

भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) कार्यक्रम

- इसका उद्देश्य सभी प्रकार की शत्रुतापूर्ण मिसाइलों (यहां तक कि परमाणु मिसाइलों) से भी वायु रक्षा कवच प्रदान करना है।
- इसे 1999 के कारगिल युद्ध के बाद पाकिस्तान के बढ़ते मिसाइल शस्त्रागार को ध्यान में रखते हुए लॉन्च किया गया था।
- संपूर्ण बीएमडी प्रणाली में लंबी दूरी के ट्रैकिंग राडार सम्मिलित हैं जो पनडुब्बियों, भूमि-आधारित प्रणालियों, हवाई प्लेटफार्मों या युद्धपोतों से मिसाइलों के प्रक्षेपण का पता लगा सकते हैं।

चरण I :

इसने एक दो-स्तरीय रक्षा प्रणाली का विकास किया जो 2,000 किलोमीटर दूर से लॉन्च की गई किसी भी मिसाइल को रोकने में सक्षम है। इसके दोनों स्तर निम्नवत हैं -

- उच्च ऊंचाई अवरोधन के लिए पृथ्वी वायु रक्षा (PAD) मिसाइल।
- कम ऊंचाई के अवरोधन के लिए उन्नत वायु रक्षा (एएडी) मिसाइल।

यह चरण 2020 में पूरा हो गया है।

चरण II:

इस चरण के तहत, दो नई एंटी बैलिस्टिक मिसाइलें विकसित की जा रही हैं जो इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (IRBM) को इंटरसेप्ट कर सकती हैं।

1. एडी-1
2. एडी -2

ये मिसाइल 5,000 किमी की स्ट्राइक रेंज की किसी भी मिसाइल को इंटरसेप्ट करने में सहायक होंगी ।

हिंद महासागर रिम एसोसिएशन

❖ सन्दर्भ :-

➢ भारतीय नौसेना द्वारा गोवा में हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के तत्वावधान में अवैध, गैर-सूचित और अनियमित (आईयूयू) मत्स्य पालन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

आईओआरए के बारे में

- यह एक अंतर-सरकारी संगठन है जिसकी स्थापना 7 मार्च 1997 को हिंद महासागर के भीतर सतत विकास, समुद्री सुरक्षा, आर्थिक सहयोग और माल, सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी के मुक्त प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।
- आईओआरए के विजन की शुरुआत 1995 में दक्षिण अफ्रीका के दिवंगत राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला की भारत यात्रा के दौरान हुई थी।
- संगठन में 23 सदस्य देश और 9 संवाद भागीदार हैं।

संरचना

- आईओआरए का शीर्ष निकाय विदेश मंत्रियों की परिषद (सीओएम) है जो आईओआरए के विकास पर चर्चा करने के लिए वार्षिक बैठक करती है।
- आईओआरए के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति (सीएसओ) की साल में दो बार बैठक होती है।
- मंत्रिपरिषद, सदस्य राज्यों द्वारा स्वैच्छिक प्रस्ताव पर, दो वर्ष की अवधि के लिए संघ के अध्यक्ष का चुनाव करती है।
- अक्टूबर 2021- 2023 तक बांग्लादेश वर्तमान अध्यक्ष है।
- हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) के सचिवालय की मेजबानी एबेने में मॉरीशस गणराज्य की सरकार द्वारा की जाती है।
- वर्तमान में आईओआरए से संबद्ध दो विशेष एजेंसियां हैं:
- क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण केंद्र (आरसीएसटीटी) तेहरान, ईरान
- मात्स्यिकी सहायता इकाई (एफएसयू) मस्कट, ओमान

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 नवम्बर, 2022

पहाड़ी समुदाय

❖ सन्दर्भ

➢ राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की अनुसूचित जनजातियों की सूची में 'पहाड़ी जातीय समूह' को शामिल करने का रास्ता साफ कर दिया है।

प्रमुख बिंदु

- आयोग द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव में "पद्दारी जनजाति", "कोली" और "गड्डा ब्राह्मण" समुदायों को जम्मू-कश्मीर की एसटी सूची में शामिल करने का भी आह्वान किया गया।
- यह सुझाव केंद्र शासित प्रदेश में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए गठित आयोग ने किया था। जिसकी अध्यक्षता न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) जी.डी. शर्मा ने की थी।
- पहाड़ी समुदाय में हिंदू और मुसलमान शामिल हैं और इस काफी हद तक उनके द्वारा पहाड़ियों में बोली जाने वाली भाषा पर आधारित है।
- वे जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों और बारामूला जिले के उरी और कुपवाड़ा जिले के करनाह और तंगधार जिलों में झेलम और चिनाब नदियों के बीच के क्षेत्र में प्रमुखतया पाए जाते हैं।
- जम्मू-कश्मीर के गुर्जरों और बकरवालों को पहले से ही एसटी का दर्जा दिया गया है।
- · अनुच्छेद 342 के तहत, संसद कानून द्वारा किसी जनजाति या आदिवासी समुदाय को उस राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में अनुसूचित जनजाति की सूची से शामिल या बाहर कर सकती है।

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी

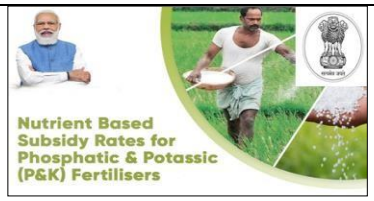

❖ सन्दर्भ :-

➢ हाल ही में, भारत के प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रबी मौसम के लिए फॉस्फेटिक और पोटाश उर्वरकों के लिए ₹51,875 करोड़ की सब्सिडी की अनुमति दी है।

प्रमुख बिंदु

- इससे रबी की फसल के दौरान (अक्टूबर-मार्च, 2022-23) किसानों को उर्वरकों की रियायती/सस्ती कीमतों पर सभी पीएण्डके उर्वरक आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे।
- यह कृषि क्षेत्र का समर्थन करेगा।
- केंद्र सरकार द्वारा उर्वरकों और कच्चे माल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में अस्थिरता को अवशोषित किया गया है

डायमोनियम फॉस्फेट (डीएपी)

- डीएपी दुनिया का सबसे व्यापक रूप से प्रयोग किया जाने वाला फास्फोरस उर्वरक है।
- यह अत्यधिक घुलनशील है और इस प्रकार मिट्टी में जल्दी से घुल जाता है जिससे पौधे के लिए उपलब्ध फॉस्फेट और अमोनियम निकल जाता है।
- डीएपी (46% पी, 18% नाइट्रोजन) किसानों के लिए फास्फोरस का पसंदीदा स्रोत है।
- यह यूरिया के समान है, जो उनका पसंदीदा नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक है जिसमें 46% N होता है।

पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (NBS) व्यवस्था के बारे में

- पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) योजना अप्रैल 2010 से लागू रही है
- कार्यान्वयन - उर्वरक विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय।
- सरकार द्वारा वार्षिक आधार पर नाइट्रोजन (एन), फॉस्फेट (पी), पोटाश (के) और सल्फर (एस) जैसे पोषक तत्वों पर सब्सिडी की एक निश्चित दर (प्रति किलोग्राम आधार में) की घोषणा की जाती है।
- पोषक तत्वों एन, पी, के, और एस पर प्रति किलोग्राम सब्सिडी दरों को एनबीएस नीति के तहत कवर किए गए विभिन्न पीएण्डके उर्वरकों पर प्रति टन सब्सिडी में परिवर्तित किया जाता है।
- फॉस्फेटिक और पोटासिक (पीएंडके) पर सब्सिडी का निर्धारण पीएण्डके उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों, विनिमय दर, देश में इन्वेंट्री स्तर आदि को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।
- एनबीएस नीति का उद्देश्य पीएण्डके उर्वरकों की खपत में वृद्धि करना है जिससे एनपीके का इष्टतम संतुलन (एन:पी:के= 4:2:1) हासिल किया जा सके।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

4 नवम्बर, 2022

राइनोसॉरस (गैंडे)

❖ सन्दर्भ

➢ हाल के एक अध्ययन से यह पता चला है कि , शिकार के प्रभाव से गैंडे के सींग समय के साथ छोटे हो गए होंगे।

प्रमुख बिंदु

- गैंडों का उनके सींगों के लिए लंबे समय से शिकार किया जाता रहा है।
- गैंडों की पांच जीवित प्रजातियों को अभी भी आवास हानि और शिकार से सर्वाधिक खतरा है।
- अध्ययन में पाया गया कि गंभीर रूप से संकटग्रस्त सुमात्राण गैंडों में सींग की लंबाई में गिरावट की दर सबसे अधिक थी और अफ्रीका के सफेद गैंडों में सबसे कम थी।

गैंडा

- यह हाथी के बाद दूसरा सबसे बड़ा भूमि स्तनपायी है।
- अपने चौकोर (नुकीले नहीं) ऊपरी होंठ के कारण इसे चौकोर होंठ वाले गैंडे के रूप में भी जाना जाता है।
- ·इसकी दो आनुवंशिक रूप से भिन्न उप-प्रजातियां मौजूद हैं, उत्तरी और दक्षिणी सफेद गैंडे और अफ्रीका में दो अलग-अलग क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

आईयूसीएन सुरक्षा स्थिति :

- उत्तरी व्हाइट राइनो: गंभीर रूप से संकटग्रस्त।
- सदर्न व्हाइट राइनो: नियर थ्रेटेड।
- भारतीय गैंडा IUCN स्थिति- सुभेद्य ।
- ·जावन गैंडा के एक सींग होता है, और सुमात्रा राइनो के अफ्रीकी गैंडों की तरह दो सींग होते हैं।
- जावन और सुमात्रा राइनो दोनों IUCN रेड लिस्ट में गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं।

भारतीय गैंडे के विषय में

- भारतीय गैंडा एशिया के तीन गैंडों में सबसे बड़ा है। यह अफ्रीकी सफेद गैंडों के समकक्ष ,सभी गैंडों की प्रजातियों में सबसे बड़ा है।
- इसका एकल काला सींग इसकी पहचान करता है, इसके साथ ही इसके भूरे-भूरे रंग की खाल और त्वचा की तहें, इसे कवच-प्लेटेड रूप देती हैं।
- असम में पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य में दुनिया में भारतीय गैंडों का घनत्व सबसे अधिक है।
- भारत में, गैंडे मुख्य रूप से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान , पोबितोरा वन्य जीव आगार , ओरंग राष्ट्रीय उद्यान , असम में मानस राष्ट्रीय उद्यान , पश्चिम बंगाल में जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान और गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान उत्तर प्रदेश में दुधवा टाइगर रिजर्व में पाए जाते हैं।

संरक्षण :

- IUCN रेड लिस्ट- सुभेद्य ।
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972- अनुसूची I।
- CITES- परिशिष्ट I।

विज्ञान आधारित लक्ष्य पहल (SBTi)

❖ सन्दर्भ

➢ SBTi ने अपनी जलवायु प्रतिज्ञाओं के संबंध में कंपनियों के सख्त अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत बदलाव किए हैं।

प्रमुख बिंदु

- विज्ञान आधारित लक्ष्य पहल (SBTi) ,विश्व संसाधन संस्थान (WRI), CDP, विश्व वन्यजीव कोष (WWF) और UN ग्लोबल कॉम्पैक्ट का सम्मिलित सहयोग है।
- SBTi नेट-जीरो टारगेट सेटिंग के लिए विज्ञान-आधारित मानक को परिभाषित करने के लिए काम करता है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कंपनियों के लक्ष्य "2050 तक नेट-जीरो" हासिल करने के अनुरूप हों।
- दुनिया भर में 1,200 से अधिक कंपनियों ने SBTi के माध्यम से जलवायु विज्ञान पर आधारित उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के बारे में

- यह दुनिया भर के व्यवसायों और फर्मों को स्थायी और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नीतियों को अपनाने और उनके कार्यान्वयन पर रिपोर्ट करने व प्रोत्साहित करने के लिए एक गैर-बाध्यकारी संयुक्त राष्ट्र समझौता है।
- यह मानव अधिकारों, श्रम, पर्यावरण और भ्रष्टाचार विरोधी क्षेत्रों में दस सिद्धांतों को बताते हुए व्यवसायों के लिए एक सिद्धांत-आधारित ढांचा है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- 2019 तक, SBTi के लिए साइन अप करने वाली कंपनियों का परिचालन उत्सर्जन कुल 750 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड से अधिक था। सम्मिलित रूप से यह फ्रांस और स्पेन के वार्षिक उत्सर्जन से अधिक था।

➢ · इसे जुलाई 2000 में लॉन्च किया गया था।

संक्षिप्त सुर्खियां

मौना लोआ

सन्दर्भ

हाल ही में मौना लोआ (एक सक्रिय ज्वालामुखी) में हिलती हुई जमीन और सूजन इस बात का संकेत दे रही है कि यह फट सकती है।

प्रमुख बिंदु

- यह विश्व का सबसे बड़ा सक्रिय ज्वालामुखी है।
- · यह हवाई का निर्माण करने वाले पांच ज्वालामुखियों (- किलाऊआ, मौना लोआ, मौना केआ, हुलालाई और कोहाला) में से एक है। । यह द्वीप हवाई द्वीपसमूह का सबसे दक्षिणी द्वीप है।
- यह सबसे बड़ा है तथा द्वीप के भूभाग का लगभग आधा हिस्सा बनाता है।
- यह आखिरी बार 1984 में फूटा था।
- मौना केआ सभी ज्वालामुखियों में सबसे ऊँचा है।
- हवाई के ज्वालामुखियों को ढाल ज्वालामुखी कहा जाता है क्योंकि सैकड़ों हजारों वर्षों में बहते हुए लावा एक योद्धा की ढाल के आकार के समान चौड़े पहाड़ों का निर्माण करते हैं।
- उनका मैग्मा अधिक गर्म, शुष्क और अधिक तरल होता है और इस प्रकार उनमें विस्फोटक विस्फोट नहीं होते हैं।
- शील्ड ज्वालामुखी कैलिफोर्निया, इडाहो, अलास्का के रैंगल-सेंट संयुक्त राज्य अमेरिका में इलायस नेशनल पार्क के साथ-साथ आइसलैंड और गैलापागोस द्वीप समूह में भी पाए जाते हैं। ।

"फीफा फुटबॉल फॉर स्कूल्स" प्रोग्राम इन इंडिया

सन्दर्भ :-

हाल ही में, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ), शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने स्कूलों के लिए फुटबॉल कार्यक्रम के माध्यम से देश के विभिन्न स्कूलों में फुटबॉल को व्यापक बनाने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। .

फ़ुटबॉल फ़ॉर स्कूल्स इनिशिएटिव क्या है?

- यह फुटबॉल खेल को जीवन का एक तरीका बनाने के साथ-साथ पूर्ण नागरिक बनाने के प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण , की दिशा में एक कदम है।
- भारतीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि फीफा दुनिया भर में 700 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की योजना बना रहा है, जिसमें भारत से 2.5 करोड़ बच्चे शामिल हैं।
- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 की भावना का समर्थन करता है।

उद्देश्य

- मूल्यवान जीवन कौशल और दक्षताओं के साथ शिक्षार्थियों (लड़कों और लड़कियों) को सशक्त बनाना।

- खेल और जीवन-कौशल गतिविधियों को वितरित करने के लिए प्रशिक्षण के साथ प्रशिक्षक-शिक्षकों को सशक्त करना।
- फुटबॉल के माध्यम से जीवन कौशल में प्रशिक्षण देने के लिए हितधारकों (स्कूलों, सदस्य संघों और सार्वजनिक प्राधिकरणों) की क्षमता का निर्माण करना।

फीफा के बारे में

- फीफा विश्व में फुटबॉल की सर्वोच्च शासी निकाय है।
- यह एसोसिएशन फुटबॉल, फुटसल और बीच सॉकर का अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है।
- फीफा एक गैर-लाभकारी संगठन है, जिसकी स्थापना 1904 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में है।

प्लेनेट किलर क्षुद्रग्रह

सन्दर्भ

हाल ही में, खगोलविदों की एक टीम ने पृथ्वी के निकट ,सूर्य की चमक में छिपे तीन विशाल क्षुद्रग्रहों की खोज की है। इनमें से, 2022 AP7 नामक एक को लगभग एक दशक में देखा जाने वाला सबसे बड़े आकार का प्लेनेट किलर क्षुद्रग्रह माना जाता है, और यह पृथ्वी के लिए "संभावित रूप से खतरनाक" है।

प्रमुख बिंदु

- तीनो क्षुद्रग्रह एक ऐसे समूह से हैं जो पृथ्वी और शुक्र की कक्षाओं के भीतर पाए जाते हैं।
- उन्हें पहचानना कठिन होता है क्योंकि सूर्य की चमक उन्हें दूरबीन के अवलोकन से बचाती है।
- वैज्ञानिकों ने अब तक केवल 25 क्षुद्रग्रहों की खोज की है जिनकी कक्षाएँ पृथ्वी की कक्षा में हैं।

2022 एपी7:

- यह 1.5 किलोमीटर चौड़ा है।
- AP7 क्षुद्रग्रह की एक ऐसी कक्षा में है जो किसी दिन पृथ्वी के साथ टकराव के रास्ते पर आ सकती है।
- शोधकर्ताओं के पास क्षुद्रग्रह के बारे में बहुत कम जानकारी है। हालाँकि प्राप्त जानकारियों में संभावित प्रक्षेपवक्र और इसकी संरचना के बारे में जानकारियां सम्मिलित है।

क्षुद्रग्रह:

- क्षुद्रग्रह छोटे, चट्टानी पिंड हैं जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं।
- हालांकि क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा ग्रहों की तरह करते हैं, लेकिन वे ग्रहों की तुलना में बहुत छोटे होते हैं।

उत्तर-पूर्वी मानसून

सन्दर्भ

उत्तर-पूर्वी मॉनसून की बारिश, तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों में शुरू हो गई है।

उत्तर-पूर्वी मॉनसून **के बारे में**

- भारत एक अनूठी भौगोलिक व्यवस्था में स्थित है, जहां एक तरफ हिमालय और दूसरी तरफ विशाल महासागर इसकी रक्षा करते है।
- यह पूरे देश में बारिश का एक अनूठा पैटर्न बनाता है।
- भारतीय उपमहाद्वीप की अधिकांश वर्षा गर्मियों के महीनों के दौरान जून से सितंबर के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून के माध्यम से प्राप्त होती है।

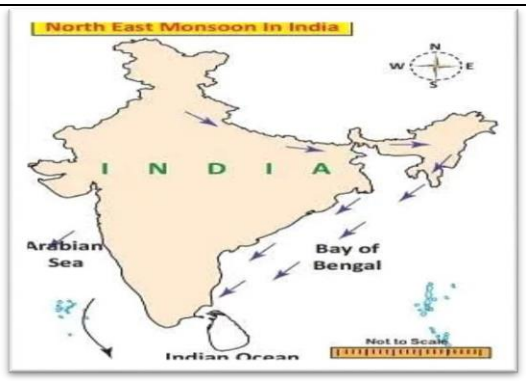

- जैसे-जैसे दक्षिण-पश्चिम मानसून पीछे हटता है, भारत के तटीय क्षेत्र में अक्टूबर और नवंबर के बीच पूर्वोत्तर मानसून के कारण बारिश होती है।
- यह ग्रीष्म मानसून की तुलना में कम शक्तिशाली होता है।
- बारिश की शुरुआत हवाओं से होती है जो मंगोलिया और उत्तर-पश्चिमी चीन के ऊपर अपनी यात्रा शुरू करती हैं।
- इस प्रकार के मानसून में हवा समुद्र से जमीन की ओर चलती है।
- मानसूनी हवाओं द्वारा हिंद महासागर से नमी वहन की जाती है।

सीवीसी का शिकायत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल

सन्दर्भ

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने दिल्ली में सीवीसी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान केंद्रीय सतर्कता आयोग के नए शिकायत प्रबंधन प्रणाली पोर्टल का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- पोर्टल की परिकल्पना नागरिकों को उनकी शिकायतों की स्थिति पर नियमित अपडेट के माध्यम से आरम्भ से अंत तक समस्त जानकारी प्रदान करने के लिए की गई है।

सीवीसी के बारे में

- संथानम समिति की सिफारिशों के तहत 1964 में स्थापित।
- 2003 में वैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।
- उद्देश्य- शासन में भ्रष्टाचार को रोकने और उनके दुर्भावनापूर्ण कार्यों के लिए सिविल सेवकों को जिम्मेदार ठहराने के लिए इसकी परिकल्पना की गई थी।
- यह भारत के राष्ट्रपति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।
- सीवीसी का नियंत्रण किसी मंत्रालय/विभाग द्वारा नहीं किया जाता है।
- यह एक स्वतंत्र निकाय है जो केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है।
- संरचना: यह एक बहु-सदस्यीय आयोग है जिसमें एक केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (अध्यक्ष) होता है और दो से अधिक सतर्कता आयुक्त (सदस्य) नहीं होते हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare